सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

# कौशल मंत्रालय और टाटा ने मुंबई में भारतीय कौशल संस्थान का पहला बैच लॉन्च किया

- पहले बैच में फैक्टरी ऑटोमेशन और डिजिटल (स्मार्ट) विनिर्माण में दो अल्पकालिक पाठ्यक्रम शामिल होंगे
- भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस), मुबई जल्दी आने वाले छात्रों को प्रोत्साहन के रूप में 75% छात्रवृत्ति प्रदान करेगा

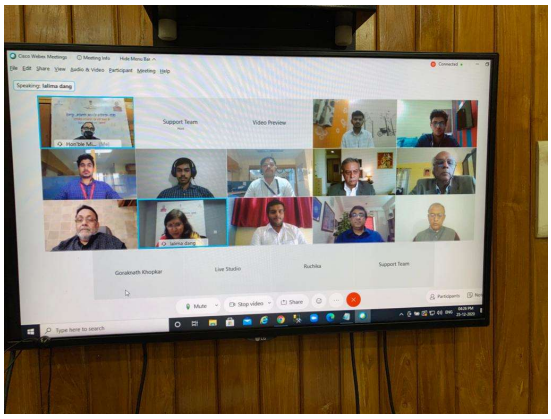

**25 दिसंबर, 2020, मुंबई**: स्किल इंडिया मिशन के तहत कौशल विकास और रोजगार निर्माण के क्षेत्र में भारत को आगे बढ़ाने और निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से स्किल इंडिया कार्यक्रम को एक नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से **टाटा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स** का मुंबई में प्रशिक्षण का पहला बैच माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, डॉ. महेंद्रनाथ पाण्डेय ने वर्चुअल माध्यम से लॉन्च किया। यह संस्थान कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (MSDE), भारत सरकार और टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्किल्स (TIS) की एक संयुक्त पहल है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स की स्थापना के लिए 11 नवंबर, 2020 को कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय और टाटा एजुकेशनल एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट के बीच औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।

टाटा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स में पहला बैच फैक्टरी ऑटोमेशन में दो जॉब रोल में शुरू किया है, जिसमे प्रशिक्षु के प्रीक्वालिफिकेशन प्रोफाइल के आधार पर, 1 से 4 सप्ताह तक की अवधि के साथ प्रशिक्षण शुरू किया जायेगा । यह संस्थान शुरुआती लॉन्च चरण के दौरान आकर्षक शुल्क विकल्पों के साथ पहले 100 छात्रों को छात्रवृत्ति भी प्रदान करेगा। पहले आने वाले 100 छात्रों / प्रशिक्षुओं के लिए 75% की छात्रवृत्ति योजना की भी घोषणा की गई है।

**लॉन्च इवेंट में बोलते हुए, डॉ. महेंद्र नाथ पाण्डेय ने कहा**, "विभिन्न क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एवं स्किल इंडिया में निजी क्षेत्रीय की सक्रिय भागेदारी बढ़ाने हेतु, पिछले साल बुनियादी ढांचे की नींव रखी गई थी और आज आईआईएस मुंबई के अपने पहले सेट के लॉन्च के साथ, मैं गर्व के साथ कह सकता हूँ कि हम अपने माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के भारत को 'विश्व की कौशल राजधानी' बनाने के विज़न को प्राप्त करने के बहुत करीब आ रहे हैं। देश में शिक्षा के अन्य प्रमुख केंद्रों के नक्शेकदम पर चलते हुए, IIS मुंबई भविष्य के लिए तैयार कार्यबल को बनाने में मदद करने के लिए विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने में सहायक होगा। मैं स्किल इंडिया मिशन को समर्थन देने के लिए महाराष्ट्र सरकार और टाटा समूह के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं और मुझे आशा है कि यह सहयोग राज्य के युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर में बदल देगा।"

संस्थान ने प्रशिक्षण के लिए निजी संगठनों से समर्थन प्राप्त करेगा, जैसे कि FESTO जोकि इन्डस्ट्रियल ऑटोमेशन में एक वैश्विक लीडर है और SMC Corporation जापान, जोकि प्रशिक्षण के लिए न्यूमैटिक कम्पोनैन्ट्स का दुनिया का सबसे बड़ा निर्माता है। आज लॉन्च किए गए दो पाठ्यक्रमों में फैक्ट्री ऑटोमेशन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें भविष्य के पाठ्यक्रमों और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग (इन्डस्ट्री 4.0) टेक्नोलॉजी और एप्लीकेशन्स की नींव रखने की परिकल्पना की गई है, जो युवाओं को अगले पांच वर्षों और आगे आने वाली उभरती हुई नौकरी की भूमिकाओं के लिए तैयार करेगी। पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (NSTI), चेंबूर में Tata-IIS अंतरिम परिसर में ऑफर किया जाएगा। संस्थान का स्थायी परिसर, वर्तमान में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (NSTI), मुंबई के परिसर में निर्माणाधीन है और इसके 2022 तक चालू होने की संभावना है और इसकी क्षमता प्रति वर्ष 5,000 से अधिक प्रशिक्षणों की होगी।

**टाटा आईआईएस के निदेशक श्री गिरीश कृष्णमूर्ति ने कहा**, "अपने युवाओं को कौशल और नौकरी की तत्परता प्रदान करने के लिए भारत की यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण उन्नति है। संस्थान आने वाले वर्षों में अपनी तरह के अन्य संस्थानों के लिए एक दीपस्तंभ बनने की इच्छा रखता है।"

संस्थान की स्थापना के पीछे प्राथमिक लक्ष्य राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों की बढ़ती मांगों के अनुसार उद्योग के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना है। यह देश के सबसे प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है और यह विश्व स्तरीय व्यावसायिक प्रशिक्षण सुविधाओं से सुसज्जित होगा। संस्थान ने उद्योग की मांगों को

पूरा करने के लिए अत्यधिक विशिष्ट क्षेत्रों जैसे रक्षा, तेल और गैस, एयरोस्पेस, और अन्य उभरते व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना बनाई है।

टाटा-आईआईएस मुंबई में ट्रेनिंग और लर्निंग को सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में मजबूत उद्योग संपर्क के माध्यम से संचालित किया जाएगा। डिजिटल और संवर्धित शिक्षण प्लेटफार्मों का लाभ उठाने वाले आधुनिक प्रशिक्षण के तरीकों से लैस संस्थान अन्य विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर अपरेंटिसशिप-एम्बेडेड पाठ्यक्रमों और हायर आर्डर क्वालिफिकेशन की पेशकश पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।